

مجموعه کامل اشعار

۱۳۵۹-۱۳۸۵

قیصر امین پور



انتشارات فروزیه

فهرست

- ۱۷..... دستور زبان عشق
- ۱۹..... سفر ایستگاه
- ۲۰..... همزاد عاشقان جهان (۳)
- ۲۲..... روایت رؤیا
- ۲۴..... شعر
- ۲۵..... شعر ناگفته
- ۲۷..... طرحی برای صلح (۱)
- ۲۸..... طرحی برای صلح (۲)
- ۲۹..... طرحی برای صلح (۳)
- ۳۰..... کودکی‌ها (۲)
- ۳۱..... نام گمشده
- ۳۲..... کودکان کربلا
- ۳۳..... فراخوان
- ۳۴..... آهنگ ناگزیر
- ۳۵..... بی‌که یوسف باشی
- ۳۶..... تلقین
- ۳۷..... نیمه پر لیوان
- ۳۸..... آرزوی بزرگ

| | | |
|-----|-------|-----------------------|
| ۸۱ | | اخوانیه |
| ۸۴ | | سرمایه دل |
| ۸۶ | | خانقاه |
| ۸۸ | | عید |
| ۹۰ | | هنگام رسیدن |
| ۹۲ | | در این زمانه |
| ۹۴ | | راز زیبایی |
| ۹۶ | | دید و بازدید عید |
| ۹۸ | | هرچه شعر گل کنم |
| ۱۰۰ | | سماع |
| ۱۰۱ | | حرمت درد |
| ۱۰۲ | | نمایشگاه |
| ۱۰۳ | | خواب چهل ساله |
| ۱۰۴ | | ترانه بارانی (۱) |
| ۱۰۵ | | ترانه بارانی (۲) |
| ۱۰۶ | | ترانه بارانی (۳) |
| ۱۰۷ | | ترانه بارانی (۴) |
| ۱۰۸ | | نیایش (۲) |
| ۱۰۹ | | پرده خوانی |
| ۱۱۰ | | کودکی‌ها (۲) |
| ۱۱۱ | | داد دل |
| ۱۱۲ | | تمام |
| ۱۱۵ | | گلها همه آفتابگردانند |
| ۱۱۷ | | انکار |
| ۱۱۸ | | ترانه آبی اسفند |

| | | |
|----|-------|----------------|
| ۳۹ | | همین که گفتم |
| ۴۰ | | حیرت |
| ۴۱ | | تو می‌توانی؟ |
| ۴۲ | | شکار |
| ۴۳ | | آخرین برگ |
| ۴۴ | | آرمانی (۲) |
| ۴۵ | | آرمانی (۳) |
| ۴۶ | | دستور زبان عشق |
| ۴۷ | | سفر در هوای تو |
| ۴۹ | | سفر در آینه |
| ۵۱ | | بفرمایید! |
| ۵۳ | | غزل شرقی |
| ۵۴ | | فوت و فن عشق |
| ۵۶ | | قدر اندوه |
| ۵۷ | | رؤیای آشنا |
| ۵۹ | | معنای زندگی |
| ۶۰ | | پیش چشم تو |
| ۶۲ | | هبوط در کویر |
| ۶۴ | | معنی جمال |
| ۶۶ | | نشانه پرسش |
| ۶۸ | | چیستان |
| ۷۰ | | حیرانی |
| ۷۲ | | شب اسطوره |
| ۷۴ | | روزها و سوزها |
| ۷۶ | | باغ کاغذی |
| ۷۸ | | غربت |
| ۷۹ | | حسرت پرواز |

| | |
|-----|---------------------|
| ۱۶۸ | اتفاق دیگر..... |
| ۱۶۹ | خیال کمال..... |
| ۱۷۰ | مرگ..... |
| ۱۷۱ | لحظه بی‌کران..... |
| ۱۷۳ | سفر..... |
| ۱۷۴ | مدینه فاضله..... |
| ۱۷۵ | فعل بی‌فاعل..... |
| ۱۷۶ | خداحافظی..... |
| ۱۷۷ | آرمانی..... |
| ۱۷۸ | دنیای راه راه..... |
| ۱۸۰ | با این همه..... |
| ۱۸۱ | احوال‌پرسی (۲)..... |
| ۱۸۲ | خمیازه پرواز..... |
| ۱۸۳ | از اگر..... |
| ۱۸۵ | شنبه..... |
| ۱۸۶ | سه‌شنبه..... |
| ۱۸۷ | جمعه..... |
| ۱۸۸ | مغالطه درست..... |
| ۱۸۹ | فردا دوباره..... |
| ۱۹۱ | عهد آدم..... |
| ۱۹۳ | آخرین تصویر..... |
| ۱۹۵ | بهبانه‌ها..... |
| ۱۹۷ | یادگاری..... |
| ۱۹۹ | الهی..... |
| ۲۰۰ | طرح مه‌آلود..... |
| ۲۰۱ | نشانی..... |
| ۲۰۲ | سرمست رسیدن..... |

| | |
|-----|------------------------------|
| ۱۲۴ | همزاد عاشقان جهان (۲)..... |
| ۱۲۸ | پند پیشینیان..... |
| ۱۲۹ | دیوار..... |
| ۱۳۰ | تفال..... |
| ۱۳۱ | پرپر شکفتن..... |
| ۱۳۲ | قرارداد..... |
| ۱۳۴ | خاطره..... |
| ۱۳۵ | از ماه..... |
| ۱۳۶ | احوال‌پرسی (۱)..... |
| ۱۳۷ | سلامی چو بوی خوش آشنایی..... |
| ۱۳۹ | بهار بوسه باران..... |
| ۱۴۰ | بند باز..... |
| ۱۴۲ | خواب کودکی..... |
| ۱۴۴ | دلالت..... |
| ۱۴۶ | گشایش..... |
| ۱۴۷ | شعر بی‌دروغ..... |
| ۱۴۸ | اگر می‌توانستم..... |
| ۱۵۱ | غزل در پرده دیر سال..... |
| ۱۵۲ | حرف آخر..... |
| ۱۵۴ | خاطره..... |
| ۱۵۶ | خاطرات خیس..... |
| ۱۵۹ | این همانی..... |
| ۱۶۰ | حکایت مترسک..... |
| ۱۶۲ | یادداشت‌های گم شده..... |
| ۱۶۴ | بی‌رنگی..... |
| ۱۶۶ | تکلیف..... |
| ۱۶۷ | اما همیشه..... |

| | |
|-------------------------------|-----------------------------|
| ۲۵۰ | ای سال |
| ۲۵۱ | حال غزال |
| ۲۵۳ | چلگی |
| ۲۵۵ | به که باید گفت؟ |
| ۲۵۷ | می خواستم، ولی |
| ۲۵۹ | فرصت دیدار |
| ۲۶۳ | آینه‌های ناگهان |
| دفتر اول (از سروده‌های ۶۷-۷۱) | |
| ۲۶۵ | روز ناگزیر |
| ۲۷۲ | دردواره‌ها(۱) |
| ۲۷۶ | دردواره‌ها (۲) |
| ۲۷۸ | دردواره‌ها (۳) |
| ۲۷۹ | غروب |
| ۲۸۰ | استحاله |
| ۲۸۲ | روز مبادا |
| ۲۸۴ | جرئت دیوانگی |
| ۲۸۸ | رفتار من عادی است |
| ۲۹۳ | نامی از هزار نام |
| ۲۹۵ | نه گندم و نه سیب |
| ۳۰۲ | حسرت همیشگی |
| ۳۰۳ | همزاد عاشقان جهان (۱) |
| ۳۰۶ | عصر جدید |
| ۳۰۸ | هر چه هستی، باش |
| ۳۱۰ | سوگند |
| ۳۱۱ | قاف |

| | |
|-----|--------------------------|
| ۲۰۴ | حاصل تحصیل |
| ۲۰۶ | غمخواری |
| ۲۰۷ | آرزوی هر روزه |
| ۲۰۸ | آشنا |
| ۲۰۹ | برای گل روی تو |
| ۲۱۱ | لحظه‌های کاغذی |
| ۲۱۳ | قصیده‌ای برای غزل |
| ۲۱۶ | زمانه‌ای دیگر |
| ۲۱۸ | بر آستان بهار |
| ۲۲۰ | الفبای درد |
| ۲۲۱ | به بالای تو |
| ۲۲۳ | فال نیک |
| ۲۲۴ | به آیین دل |
| ۲۲۶ | همه حرف دلم |
| ۲۲۸ | ای بوی هر چه گل |
| ۲۳۰ | عکس کودکی من |
| ۲۳۲ | از چشم تو |
| ۲۳۴ | ضیافت |
| ۲۳۶ | عشق چه می گفت؟ |
| ۲۳۸ | غزل محال |
| ۲۳۹ | تنها تو می‌مانی |
| ۲۴۱ | قصه کوتاه |
| ۲۴۲ | غزل دلتنگی |
| ۲۴۳ | بر مدار هیچ |
| ۲۴۵ | حتی اگر نباشی |
| ۲۴۷ | غزل پنجره |
| ۲۴۸ | تا حادثه سرخ رسیدن |

| | |
|-----|---------------------------|
| ۳۵۷ | بگذار عاشقانه بگویم |
| ۳۵۹ | خورشید روستا |
| ۳۶۲ | قطعنامه جنگل |
| ۳۶۴ | آرزو |
| ۳۶۵ | دو تصویر |
| ۳۶۷ | باده از ما مست شد* |
| ۳۶۹ | باران زرد |
| ۳۷۱ | در سوگ خویش |
| ۳۷۳ | باد بی‌قراری |
| ۳۷۵ | تعبیر خواب |
| ۳۷۷ | پرده‌های دیدار |
| ۳۷۹ | فردا |
| ۳۸۰ | فلسفه ساده |
| ۳۸۲ | خبرهای داغ |
| ۳۸۳ | نامی برای تو |
| ۳۸۵ | کوچه‌های کوفه |
| ۳۸۷ | حمل آفتاب |
| ۳۸۹ | پنجره |
| ۳۹۱ | آینه |
| ۳۹۳ | رفتن، رسیدن است |
| ۳۹۵ | حکم آغاز طوفان |
| ۳۹۷ | فصل تقسیم |
| ۳۹۹ | بی‌قراری |
| ۴۰۰ | اجازه |
| ۴۰۱ | سبز |
| ۴۰۲ | سبز |
| ۴۰۳ | نیایش |

| | |
|-----|---------------------------|
| ۳۱۲ | سطرهای سفید* |
| ۳۱۴ | خانه تکانی |
| ۳۱۵ | حرف آینه‌ها |
| ۳۱۷ | هنوز |
| ۳۱۸ | پیشواز |
| ۳۱۹ | نوبت |
| ۳۲۱ | میهمان سرزده |
| ۳۲۳ | اعتراف |
| ۳۲۴ | اشتیاق |
| ۳۲۶ | سرود صبح |
| ۳۲۷ | آواز عاشقانه |
| ۳۲۹ | کودکی‌ها |
| ۳۳۱ | حرفی از نام تو |
| ۳۳۲ | خسته‌ام از این کویر |
| ۳۳۴ | جنگل خاطره |
| ۳۳۶ | مهمانی |
| ۳۳۸ | آرزوی عاشقان |
| ۳۴۰ | خمیازه فریاد |
| ۳۴۱ | اگر عشق نبود |
| ۳۴۳ | نامه‌ای برای تو |
| ۳۴۶ | چرا چنین؟ |
| ۳۴۸ | اگر دل دلیل است |
| ۳۵۰ | آبروی آب |

دفتر دوم (از سروده‌های ۶۴-۶۶)

| | |
|-----|-------------------|
| ۳۵۵ | بر شانه شما |
|-----|-------------------|

| | |
|-----|--------------------------|
| ۴۴۴ | حماسه بی‌انتها |
| ۴۴۵ | بازی آفتاب و باران |
| ۴۴۶ | رجز هجوم |
| ۴۴۷ | راز پرواز |
| ۴۴۸ | غزل تصمیم |
| ۴۴۹ | خلاصه خوبی‌ها |
| ۴۵۰ | کوجهای خراسان |
| ۴۵۱ | صبح بی‌تو |
| ۴۵۲ | فصل وصل |
| ۴۵۵ | آسان که تویی |
| ۴۵۶ | همصحبتی |
| ۴۵۷ | آیه |
| ۴۵۸ | نشانی |
| ۴۵۹ | هنگامه |
| ۴۶۰ | همبازی |
| ۴۶۱ | طلایه‌دار |
| ۴۶۲ | روح آب |
| ۴۶۳ | واقعه |
| ۴۶۴ | مهمانی |
| ۴۶۵ | وداع |
| ۴۶۶ | حادثه |
| ۴۶۷ | ای کاش |
| ۴۶۸ | دیدار |
| ۴۶۹ | ای عشق |
| ۴۷۰ | نکته |
| ۴۷۱ | هجرت |
| ۴۷۲ | پرسش |

| | |
|-----|---------------|
| ۴۰۴ | ترانه |
| ۴۰۵ | نی‌نامه |

تنفس صبح

| | |
|-----|-------------------------|
| ۴۰۹ | راه ناتمام |
| ۴۱۱ | رسم سفر |
| ۴۱۲ | نان ماشینی |
| ۴۱۳ | اتفاق |
| ۴۱۴ | میراث باستانی |
| ۴۱۵ | در مسیر باد |
| ۴۱۷ | پاکنویس |
| ۴۱۸ | تجسم |
| ۴۱۹ | این سبز سرخ کیست؟ |
| ۴۲۲ | شعری برای جنگ |
| ۴۲۴ | گلولی شوق |
| ۴۳۲ | تقصیر عشق بود |
| ۴۳۳ | غزل تقویم‌ها |
| ۴۳۴ | جغرافیای ویرانی |
| ۴۳۵ | مساحت رنج |
| ۴۳۶ | مرز بودن |
| ۴۳۷ | سبزترین فصل |
| ۴۳۸ | ساقه شکسته |
| ۴۳۹ | زین خالی |
| ۴۴۰ | سفر |
| ۴۴۱ | پنجره رو به باغ |
| ۴۴۲ | حادثه عشق |
| ۴۴۳ | |

| | |
|-----|-------------------------|
| ۵۰۰ | گمکرده دیرین |
| ۵۰۱ | عادت |
| ۵۰۲ | از این |
| ۵۰۳ | مثل چشمه، مثل رود |
| ۵۰۵ | لحظه‌ی سبز دعا |
| ۵۰۷ | لحظه‌های زندگی |
| ۵۰۹ | دهکده‌ی خوب ما |
| ۵۱۲ | حاصل جمع قطره‌ها |
| ۵۱۳ | قانون بهار |
| ۵۱۵ | دریای آزاد |
| ۵۱۷ | چشم‌روشنی |
| ۵۱۸ | آی گلها، چرا نمی‌خندید؟ |
| ۵۲۰ | راه بالا رفتن |
| ۵۲۲ | بوی ماه مهر |
| ۵۲۳ | صبح روستا |
| ۵۲۵ | زنگ صبح |
| ۵۲۶ | خنده‌ی غنچه |
| ۵۲۷ | لطیفه |
| ۵۲۸ | مثل یک خیر |
| ۵۳۰ | مدرسه منهای چهار |
| ۵۳۲ | حضور لاله‌ها |
| ۵۳۴ | خط خورشید |
| ۵۳۶ | منظومه‌ی خوشه‌ی خورشید |
| ۵۳۹ | منظومه‌ی فلسطین |

| | |
|-----|---------------|
| ۴۷۳ | سوگند |
| ۴۷۴ | مجلس سوگ |
| ۴۷۵ | آرامش تو |
| ۴۷۶ | هر قطره خون |
| ۴۷۷ | ای عقل |
| ۴۷۸ | غربت |
| ۴۷۹ | اوج عطش |
| ۴۸۰ | معانی خوب |
| ۴۸۱ | این چیست؟ |
| ۴۸۲ | پیراهن نازه |
| ۴۸۳ | قصه جنگ |
| ۴۸۴ | رسم برگ |
| ۴۸۵ | بگذار بگویمت |
| ۴۸۶ | در کوچه آفتاب |
| ۴۸۷ | با خویش |
| ۴۸۸ | ای آتش آفتابی |
| ۴۸۹ | لبان مرگ |
| ۴۹۰ | بی‌بال پریدن |
| ۴۹۱ | صبح |
| ۴۹۲ | فرصت خموشی |
| ۴۹۳ | دلسوزی |
| ۴۹۴ | دوزخ دنیا |
| ۴۹۵ | دیروز و امروز |
| ۴۹۶ | موج پیشانی |
| ۴۹۷ | مبادا |
| ۴۹۸ | شهیدان |
| ۴۹۹ | طلوع |

دستور زبان عشق

| | |
|-----|---------------------------|
| ۵۴۳ | به قول پرستو..... |
| ۵۴۵ | کشف قفس..... |
| ۵۴۷ | راز زندگی..... |
| ۵۴۹ | به قول پرستو..... |
| ۵۵۱ | لحظه‌ی شعر گفتن..... |
| ۵۵۴ | زنگ آغاز بهار..... |
| ۵۵۶ | یک خط در میان..... |
| ۵۵۸ | لالایی باد..... |
| ۵۶۰ | اتفاق ساده..... |
| ۵۶۳ | شعر..... |
| ۵۶۴ | معما..... |
| ۵۶۷ | خواب‌های طلایی..... |
| ۵۶۹ | رازهای سر بسته..... |
| ۵۷۱ | ترانه‌ای برای آشتی..... |
| ۵۷۳ | ترانه‌ای برای درخت..... |
| ۵۷۵ | سرود ماه مهر..... |
| ۵۷۷ | کلاس انشا..... |
| ۵۸۰ | صبح یک روز زمستانی..... |
| ۵۸۱ | پیش از این‌ها..... |
| ۵۸۹ | بال‌های کودکی..... |
| ۵۹۹ | منظومه‌ی ظهر روز دهم..... |

سفر ایستگاه

قطار می‌رود
تو می‌روی
تمام ایستگاه می‌رود

و من چقدر ساده‌ام
که سالهای سال
در انتظار تو
کنار این قطارِ رفته ایستاده‌ام
و همچنان
به نرده‌های ایستگاه رفته
تکیه داده‌ام!